

Section - C**खण्ड - स**

Note: Answer **all** the parts of this question in **one word** each. Each part carries **2** marks.

इस प्रश्न के प्रत्येक भाग का एक शब्द में उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग का मान **2** अंकों का है।

- 11.** (a) Who says "If you do not forgive others, your sins also will not be forgiven by God" ?

कौन कहता है “यदि तुम दूसरे को क्षमा नहीं करोगे, तुम्हारे पाप भी ईश्वर के द्वारा क्षमा नहीं किये जायेंगे”।

- (b) How many times should one pray in a day according to the Muslims teaching ?

मुस्लिम धर्म के अनुसार किसी को एक दिन में कितनी बार प्रार्थना करनी चाहिए।

- (c) Is God's grace essential for 'liberation' according to Jainism?

जैन मत के अनुसार क्या मुक्ति के लिए ईश्वर की कृपा अनिवार्य है ?

- (d) Who taught the eight-fold path ?

किसने अष्टांगिक मार्ग का उपदेश दिया?

- (e) Is suffering always because of sins/karma according to Hinduism?

हिन्दू धर्म के अनुसार दुःख क्या सर्वदा पाप/कर्म के कारण होता है ?

M/Sem IV/544

**M.A. (Semester IV)
Examination, 2014-15**

**Indian Philosophy and Religion
Core Course**

Paper : II**Problems of Comparative Religion (B)**

Time : Three Hours **Full Marks : 70**

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Attempt **all** the **three Sections - A,B and C** as directed.

निर्देशानुसार अ,ब तथा स तीनों खण्डों का उत्तर लिखें।

Section - A**खण्ड - अ**

Note: Answer any **two** questions each in **500** words. Each question carries **15** marks.

किन्हीं दो प्रश्नों का चयन कर प्रत्येक का उत्तर **500** शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न **15** अंकों का है।

1. Explain the significance of worship and prayer in religion.
धर्म में पूजा और प्रार्थना के महत्व की व्याख्या कीजिए।
2. Compare and also bring out the differences on the Buddhist and Christian's view on sin and suffering.
बौद्ध और ईसाई-धर्म की पाप और दुःख संबन्धी दृष्टि की तुलना कीजिए तथा भेद को भी प्रदर्शित कीजिए।
3. Discuss religious dialogue.
धार्मिक संवाद की विवेचना कीजिए।
4. Explain Hindu view of devotion (Bhakti).
भक्ति के विषय में हिन्दू-दृष्टि की व्याख्या कीजिए।

Section - B

खण्ड - ब

Note: Answer any **three** questions each in **250** words only. Each question carries **10** marks.

किन्हीं **तीन** प्रश्नों का चयन कर प्रत्येक का उत्तर **250** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का मान **10** अंकों का है।

5. Explain primitive view of immortality of soul or life after death.

- आत्मा की अमरता या मृत्यु के बाद जीवन के विषय में आदिम दृष्टि की व्याख्या कीजिए।
6. Compare the theory of 'karma and rebirth' with resurrection.
कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धान्त की पुनर्जीवन के सिद्धान्त के साथ तुलना कीजिए।
7. Explain the importance of prayer in Islam.
इस्लाम में प्रार्थना के महत्व की व्याख्या कीजिए।
8. Explain Zoroastrian view of suffering.
पारसी-धर्म में दुःख की व्याख्या करें।
9. Compare Hindu view of sin and liberation with Christian view of sin and salvation.
पाप एवं मुक्ति को हिन्दू अवधारणा की तुलना ईसाई धर्म की पाप एवं मुक्ति की अवधारणा से कीजिए।
10. Explain the nature of man and his salvation according to Judaism.
यहूदी धर्म के अनुसार मानव का स्वरूप एवं उसकी मुक्ति की व्याख्या कीजिए।